नाम जपनं दी आदत पा

नाम जपनं दी आदत पा, नाम जपनं दी आदत पा,
ध्यानु भगत दी भगती वरगा मेनू भी कोई पाठ पड़ा,
नाम जपनं दी आदत पा....

तेरे नाम दी महिमा दा मैं घर घर विच प्रचार करा,
एहनी हिमत देदे मेनू बन के सेवादार करा,
भगता दे विच प्यार बडावा दिल अपने नु कहना हा,
नाम जपनं दी आदत पा.....

किसे न मैं वैर करा न एसी सोच बना दे माँ,
निरंकार संतोष देदे सब दे काम करा दे माँ,
तेरे चरना विच रह के जीवन सारा अर्पण करा,
नाम जपनं दी आदत पा

कण कण विच हर दम मैं ते रूप तेरा ही देखा माँ,
मेरे हाथ विच तेनु मिलन दी है कोई रेखा मैं,
नच के तेनु रोज दिखावा पाइयां तेरियां पींगा माँ,
नाम जपनं दी आदत पा

मैं तेरा है पल्ला फडया तू बाह फड ले मेरी,
तारेया दे विच बीत गई है मेरी उम्र बथेरी,
दरशी भी ते लाल तेरा है क्यों निमाना दूर बेठा,
नाम जपनं दी आदत पा

Source: https://www.bharattemples.com/naam-japan-di-aadat-paa/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw